9th Convocation organized by The ICFAI University, Dehradun on 23rd August 2022.



सफलता हासिल करने के लिए साहसी होना भी जरूरी : देसाई

सेलाकुई। इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय से विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर नौ शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि भी प्रदान गई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. उदय बी देसाई ने कहा कि छात्रों को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए साहसी होना जरूरी है। दीक्षांत समारोह में विधि, मैनेजमेंट, तकनीकी व बीएड आदि पाठ्यक्रमों में अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके कुल 555 छात्र-छात्राओं को स्नातक व परास्नातक की डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा विश्वविद्यालय में शोध कर रहे 9 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय में कार्यरत डॉ .सुनील कुमार व डॉ. निशंत माधुर को भी डाक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की गई। कुलाधिपति डॉ. उदय बी देसाई ने आठ छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। छात्र-छात्राओं को अपनी काबलियत फील्ड में भी साबित करनी होगी। इसके पहले विश्वविद्यालय के कुलपित डॉ. राम करन ने समारोह को संबोधित किया। समारोह में रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर (से.नि) राजीव सेठी, डीन डॉ. संजीव मालवीय, सहायक डीन मोनिका खरोला, डॉ. मीना भंडारी, डॉ. संजीव कुमार, पार्थ उपाध्याय



इक्फाई विवि के 555 विद्यार्थियों को उपाधि



क्काई व्यक्तविद्यालय क दासाग सम्मद्रणः १ नातक व म्नातकोत्तर स्तर पर मैनेजमेंट, क्रनीकी, वीएड की पढ़ाई कर चुके 555 इानखाजों को उपाधि प्रदान की गई। साथ ही नी शोखार्थियों को पीएचडी की

छात्रां का गाल्ड मडल व वा शायााच्या का पीर्चडी की उपाधि प्रदान की। विवि में कार्यरत डा. सुनील कुमार व डा. निशांत माधुर को डाक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। इसके अलावा विभिन्न विभागों के नी छात्रों को सिल्बर व आठ

की उपाधि, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल

देसाई ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के का

देखर्ड ने कहा कि डिग्री पारा करने के बाद बाहरी दुनिया छात्रों का इन्तज़ार कर राहे हैं, जो कि प्रतियोक्तिता पर आधारित है। डा. देसाई ने कहा कि छात्रों को चुनीवियों का सामना साहत से करना चाहिए। कुल्पाद डा. राम करने सिंह ने छात्रों की कामखारी का मंत्र दिखा। राजिस्ट्रार हिंगोडियर (सेनि) राजीब सेटी ने भी छात्रों में

जोश भरा।

समारोह में सहस्यक डीन मोनिका
खरोला, डीन डा. संजीव मालवीय, डा. मीना भंडारी, डा. संजीव कुमार समेत अनेक प्राध्यायक व छात्र मौजूद रहे।



इक्फाई विवि में नवां दीक्षांत समारोह आयोजित

दिहार्युन, संव्याददाता। स्थित इवसह रिक्श्वियालय में नीवे देखेता समाग्रेत का आयोजन किया गया। जिसमें विधि, मैनेजमेंट, तकनांकि एवं बीएड में पढ़ाई पूरी कर चुके कुत 555 छत्रों को आताकर एवं एयाताकर तथा 9 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियों प्रयान की गई। दीखांत समाग्रेत में बतीर मुख्य अतिथि रिक्त के अवस्थिताला (जायावर) को उत्तर भी गढ़ी दोशात संस्थात में बतात सुक्त आवति व विविध्य के मुलामिति (चांसल्य) जी उदार की. देसाई ने आठ खात्रों को गोराज सेत्रल में सम्मानित किया एवं नी शोशांथियों को गोराचाड़ी की उच्चित्र प्रदान की। इस्ते दीवन विश्वविद्यालय में ही कार्यल जी सुनीत चुनार एवं नियांत मानुक को भी डीक्ट्रेट की उच्चित्र प्रदान की गई हम्में अविदिश्च विधिक्त की उच्चित्र प्रदान की गई हम्में अविदिश्च विधिक्त

विभागों के आठ खत्रों को बॉज एवं नी खत्रों को ावभाग के आठ छात्रा का ब्राज एवं ना छात्रा का सिरूवम सेवल से पुरुष्कृत कित्या गया दीर्घात समाग्रेड में उगाधियाँ वितरित करते के पश्चात् कुरुताधिपति डॉ उदय बी. देसाई ने मीजूद सभी छात्रों एवं शोधाधियों को सम्बोधित कित्या। डॉ देसाई ने सम्बोधित करते हुए कहा कि छात्रों के लिए डिग्री प्राप्त करने के बाद बाहरी दुनियाँ इन्तजार कर रही है जोकि पूरी तरीके से प्रतियोगिता पर आधारित है और छात्रों को जीवन में सफल होने के लिए साहसिक होना आवश्यक है। छं देसाई ने



मान वैवानिक एक्टेन का उद्यारण देते हुए कहा कि यह वैवानिक खोव में अपने एक इक्कारों प्रथम में सम्ब हुए थे लेकिन पूर्व के असम्ब प्रथम में सम्ब हुए थे लेकिन पूर्व के असम्ब प्रथम में भी निवान जहीं हुए। अतः एववे को अन्य सम्बोधन में 'छाउ इन द जोता' कहार जीवन में पूर्वितार्थ कर सामन साहम के साब कर्मन प्रथमित्र में अपने हुए। अतः एववे को अन्य सम्बोधन में 'छाउ इन द जोता' कहार अपने सम्बोधन में 'छाउ इन द जोता' कहार अपने सम्बोधन में 'छाउ इन द जोता' कहार स्वाम प्रथमित्र में अपने कि कि में सम्बोधन के के पुरुवति हों कम अन्य सिक्ष के सम्बोधन के के पुरुवति हों कम अन्य सिक्ष के सम्बोधन के

क्षण जारूर क्या राज्य के प्रात्व के प्रात्व